11.04.2022:–आज यह पत्रावली प्रार्थी वकील के निवेदन पर पेशी में ली गई। प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण ने निवेदन किया कि प्रार्थीगर्ण व अप्रार्थींग का मूल वादपत्र में राजीनामा हो गया है। इस कारण प्रार्थींगण उक्त प्रार्थना–पत्र में कोई कार्यवाही नहीं चाहता। इस कारण प्रार्थी का उक्त प्रार्थना–पत्र खारिज फरमाया जावे।

Signature Not Verified
Digitally signed by Avi Garg
Date: 2022.05.12 17:31:43 IST
Reason: SelfAttested

[illegible] प्रार्थना–पत्र मूल वादपत्र में राजीनामा होने के कारण मौजूदा सूरत मे ही खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरबीज तकमील दाखिल दफतर हो।

सत्यमेव जयते
Copy - Not Official

Scanned with CamScanner